

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। -सुफियान सौरी

मिलावट: शुद्ध खाद्य उत्पाद प्राप्त करना नागरिकों का अधिकार है

मिलावट का कहर सबसे ज्यादा हमारी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर पड़ रहा है। संपूर्ण देश में मिलावटी खाद्य-पदार्थों की भरमार हो गई है। आजकल नकली दूध, नकली घी, नकली तेल, नकली चायपत्ती आदि सब कुछ धड़ल्ले से बिक रहा है। देशभर में खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए शुद्ध के लिए युद्ध अभियान समय समय पर संचालित किये जाते हैं। ऐसे ही एक अभियान का आगाज राजस्थान में गहलोत सरकार ने किया है। जिसमें जिला प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा, रसद विभाग, बाट-माप तौल और डेयरी विभाग मिलकर कार्रवाई करेंगे। सरकार ने दावा किया है प्रदेश में पहली बार जिला कलेक्टर के निदेशन में मिलावट की कार्रवाई करने के लिए डिकोय ऑपरेशन को अंजाम दिया जाएगा। शुद्ध के लिए युद्ध अभियान एक जनवरी से 31 मार्च तक चलेगा, जिसमें दूध, मावा, पनीर, आटा, बेसन, तेल, घी, सूखे मेवे, मसालों के नमूने लेकर लैब में जांच होगी। हालांकि ऐसे अभियान वर्षभर चलाने चाहिए। इन अभियानों की जमीनी हकीकत से सब परिचित है। बताया जाता है मिलावट और जमाखोरी रोकने के लिए कानून तो है, मगर वे इतने प्रभावशाली नहीं हैं, जो मिलावटखोरों में खौफ पैदा करें। सरकार को चाहिए कागजी कार्यवाही की खानापूर्ति के बजाय जनता को विश्वास में लेकर अभियान चलाये ताकि मिलावटियों में कानून के प्रति भय उत्पन्न हो और मिलावट को सख्ती से रोका जा सके। देखा जाता है मिलावट खोरों को पकड़ने के लिए सरकारी संसाधन पर्याप्त नहीं है। मिलावटिये गली गली और नगर नगर में सक्रीय होकर आम आदमी की सेहत को खराब करने में जुटे हैं मगर इनको पकड़ने वाली टीमों काफी कम संख्या में होने के कारण शुद्ध के लिए युद्ध अभियान अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पा रहा है।

आज स्थिति यह है कि सरकारी तंत्र को लापरवाही और मिलीभगत, संसाधनों का अभाव, केन्द्र-राज्य में परस्पर सहयोग का अभाव, लचर दंड व्यवस्था का खामियाजा उपभोक्ता को चुकाना पड़ रहा है। सच तो यह है अधिक गुनाफा कमाने के लालच में नामी कंपनियों से लेकर खोमचेवालों तक ने उपभोक्ताओं के हितों को ताख पर रख दिया है। अगर कोई इन्हें खाकर बीमार पड़ जाता है तो हालत और भी खराब है, क्योंकि जीवनरक्षक दवाइयाँ भी नकली ही बिक रही हैं। अभियान के तहत दूध और मावे से बनी मिठाइयों के साथ खाने-पीने के सभी खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर जांच किए जाएंगे। साथ ही मिलावट की सूचना देने वाले को 51 हजार रुपये का इनाम की भी घोषणा की गई है।

सामान्यतः रोजमर्रा जिन्दगी में उपभोग करने वाले खाद्य पदार्थों जैसे दूध, छाछ, शहद, हल्दी, मिर्च, पाउडर, धनिया, घी, खाद्य तेल, चाय-काँफी, मसाले, मावा, आटा आदि में मिलावट की सम्भावना अधिक है। मिलावट एक संगीन अपराध है। मिलावट पर काबू नहीं पाया गया तो यह ऐसा रोग बनता जा रहा कि समाज को ही निगल जाएगी।

पदार्थों में मिलावट कर प्रदेशवासियों को सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो, ताकि कोई भी लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं कर सके। उन्होंने जिला कलेक्टरों को कहा कि खाद्य पदार्थों की शुद्धता के साथ-साथ उसके सही माप और तौल, एकसपायरी डेट तथा पैकेट बंद खाद्य सामग्री पर सही प्रकार से लेबलिंग की भी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान का समुचित प्रसार भी किया जाए, ताकि आम व्यक्ति भी जागरूक हो। उन्होंने अभियान की अवधि में जिला स्तरीय प्रबंधन समिति की साप्ताहिक बैठक करने के लिए भी जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया।

खाद्य पदार्थों में अशुद्ध, सस्ती अथवा अनावश्यक वस्तुओं के मिश्रण को मिलावट कहते हैं। आज समाज में हर तरफ मिलावट ही मिलावट देखने को मिल रही है। पानी से सोने तक मिलावट के बाजार ने हमारी बुनियाद को हिला कर रख दिया है। पहले केवल दूध में पानी और शुद्ध देशी घी में वनस्पति घी को मिलावट की बात सुनी जाती थी, मगर आज घर-घर में प्रत्येक वस्तु में मिलावट देखने और सुनने को मिल रही है। मिलावट का अर्थ प्राकृतिक तत्वों और पदार्थों में बाहरी, बनावटी या दूसरे प्रकार के मिश्रण से है। अक्सर देखा जाता है त्योहारी सीजन शुरू होने के साथ ही मिलावटखोर भी सक्रिय हो जाते हैं जो सस्ती मिठाइयाँ तथा मावा बेचकर ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करते हैं। मिठाइयों में इस्तेमाल किये जाने वाला मावा शायद ही कहीं असली मिले। हर चीज में मिलावट जैसे आम बात हो गई है। मिलावटखोरों को निराम-कानून का भी भय नहीं रह गया। खासकर त्योहार के सीजन में तो इनकी पौ-बारह रहती है। त्योहारी सीजन शुरू होते ही बाजार में टाहकी बढ़ने लगती है। त्योहार आये और मिठाई न खाये यह हो ही नहीं सकता। मिठाई त्योहारो की खुशी को दुगना कर देती है। मिलावटखोर भी इसी इंतजार में रहते हैं। उनकी दुकानें रंग बिरंगी मिठाइयों से सज्ज जाती हैं और हम बिना जांचे परखे इन मिठाइयों को खरीद कर ले आते हैं। मिलावटखोर अधिक मुनाफे के चक्कर में धड़ल्ले से अपना मिलावटी सामान बेचते देर नहीं लगाते।

सामान्य तौर पर एक परिवार अपनी आमदनी का लगभग 60 फीसदी भाग खाद्य पदार्थों पर खर्च करता है। खाद्य अपमिश्रण से अंधापन, लकवा तथा ट्यूमर जैसी खतरनाक बीमारियाँ हो सकती हैं। सामान्यतः रोजमर्रा जिन्दगी में उपभोग करने वाले खाद्य पदार्थों जैसे दूध, छाछ, शहद, हल्दी, मिर्च, पाउडर, धनिया, घी, खाद्य तेल, चाय-काँफी, मसाले, मावा, आटा आदि में मिलावट की सम्भावना अधिक है। मिलावट एक संगीन अपराध है। मिलावट पर काबू नहीं पाया गया तो यह ऐसा रोग बनता जा रहा कि समाज को ही निगल जाएगी। मिलावट के आतंक को रोकने के लिए सरकार को जन भागीदारी से सख्त कदम उठाने होंगे।

-अतिथि संपादक, बाल मुकुन्द ओझा वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 01 जनवरी, 2022

पौष मास कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत् 2078, ज्येष्ठा नक्षत्र सायं 7:17 तक, गंड योग दिन 1:55 तक, विधि करण सायं 5:30 तक, चन्द्रमा आज सायं 7:17 पर धनु राशि में प्रवेश करेगा। ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृश्चिक, बुध-मकर, गुरु-कुम्भ, शुक-धनु, शनि-मकर, राह-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में। आज भद्रा सायं 5:30 तक है। आज मास शिवरात्रि है। नव वर्ष 2022 ईस्वी आरम्भ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:38 से 9:55 तक, चर 12:30 से 1:48 तक, लाभ-अमृत 1:48 से 4:23 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:40

मेष
आज नवीन कार्यों को टालना देना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। स्वास्थ्य के संबंध में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक बृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और परिवार में स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

धनु
परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी अनबन और मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण मामलों में परिचितों से सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

मकर
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित जवाब सफल रहेगी। आवश्यक कार्यों से संबंधित प्रयास सफल रहेगा। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगीं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगीं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कोरोना के डेल्टा वायरस और ओमक्रॉन संक्रमण के साथे में नव वर्ष को सुखमय, स्वस्थ और खुशहाल बनाने के आसान उपाय

हम सभी के आमने आज भी मार्च-अप्रैल 2021 का भयावह और हृदय विदारक दृश्य जिसमें हमने अपने स्वयं परिजन और मित्रों के मृत शरीर को गंगा में बहते हुए देखा था। इंसान अपने भाई-बहन, पति-पत्नी माता-पिता को अंतिम आहुति भी नहीं दे सका, अस्पताल में इलाज के लिये जगह ही नहीं मिल रही थी। आक्सीजन की कमी से अनेकों परलोक चले गये। लोक डाउन से लाखों बेरोजगार हो गये थे।

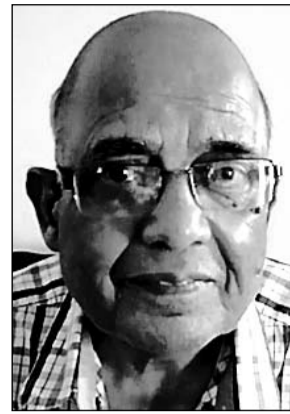
आज फिर ओमिक्रोन वायरस दुनिया में विशेष तौर पर यूरोप अमेरिका में तबाही मचा रहा है। हमारे देश के अंदर भी ओमिक्रोन दस्तक दे चुका है। इस महामारी से बचाव का एक मात्र तरीका वैक्सिनेसन और कोरोना प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन करना है। बिना जरूरी काम के बाजार एवं भीड़ वाली जगह पर जाने से बचे। सदैव सुरक्षित मास्क सही तरीके से लगाये। बार-बार अपने हाथों को साबुन से साफ करते रहें।

नव वर्ष में अपने जीवन को सुखी खुशहाल स्वस्थ आनन्द दायक मनाने के लिये निम्न उपायों को अपनाए।

निराशा और असफलताओं के निराशाजनक वातावरण में आशा का दीपक जलाये रखें। अपने आस-पास के लोगों के दुःखदर्द एवं पीड़ा को समझें। छोटी से छोटी बातों में भी अच्छाई को ढूँढें।

याद रखें मित्रों सहकर्मियों के अच्छे काम की प्रशंसा करें। साल में हर परिस्थिती में शांत और रिलैस्ड रहें। अपने मन के अंदर इस बात को धारण कर लें कि खुशी मेरा जन्मसिद्ध मौलिक अधिकार है। चाहे कुछ भी हो जाए मैं दिन भर खुश रहूँगा। बच्चों को उनके अपने हिसाब से जीने का मौका दे, उनके कार्यकलापों में टीका-टिप्पणी नहीं करें। आप उन्हें सलाह तभी ही दें जब वे आप से सलाह मांगें। जब कभी आपको गुस्सा आ जाये तो तब अपने मन को समझाये।

अपने पड़ोसियों से नियमित बातचीत करें, उनके प्रति सद्भावना रखें इससे आपकी खुशियाँ कई गुणा बढ़ जायेंगी। लालच और गलत तरीके से अर्जित यह कमाई आपको अधिमान बना कर आपको गलत रास्ते पर ले जाकर आपकी मानसिक शांति और आपके



डा. जे.के. गर्ग

स्वास्थ्य को खराब कर देगी। सच्चाई तो यही है कि जो भी आप के पास है उससे आप सदैव खुश रहे। सुख-सुविधा के लिये भौतिक साधन अगर आपके पास उपलब्ध नहीं उन्हें हासिल करने लिये गम्भीर कोशिश कर मेहनत करें। सुखमय जीवन जीने के लिये अपना लक्ष्य निर्धारित करें, उद्देश्यहीन जीवन नहीं जिए। ईर्थ्यलु नहीं बने, दूसरों की सफलता पर खुश हों,

उन्हें बधाई दें। अपने इंगो को छोड़े, मैं मैं की रट नही लगायें, आपका इंगो आपको नकारा बना के आपको हीन भावना से ग्रस्त कर देगा।

अपनी गलतियों को मानने में चूक नहीं करें क्यों कि आदमी को अपनी गलतियों से जीवन का बड़ा सबक सीखने को मिलता है। दूसरों की गलतियों के लिये उन्हें माफ़ करें। विगत वर्षों की सुखद स्मृतियों को याद कर मुस्करायें। किसी से कोई अपेक्षा नहीं रखें और किसी की भी उपेक्षा भी नहीं करें। चिंता करने के बजाय आत्मचिंतन करें। निरंतर मेडिटेशन का अभ्यास करें। अपने आत्मसम्मान से कोई समझौता नहीं करें।

हमेशा मीठी वाणी बोले। अच्छा बोले अच्छा सुने और अच्छे वाणी बोले। दूसरों के कार्यों की आलोचना करने की जगह उनके अच्छे कामों की प्रशंसा उनके सामने और उनकी पीठ पीछे करें। जो जैसा है उसे उसी रूप में स्वीकार करें। दूसरों के विचारों का भी सम्मान करें, उन्हें आदर दें। सभी को बिना शर्त स्नेह और प्यार दें। कोई भी काम को अंजाम देने से पूर्व यह मालूम कर

लें कि आपके काम से किसी का अहित तो नहीं होगा। अगर आप के प्रस्तावित कामसे किसी को कष्ट या क्षति हो रही हो तो उस काम को नहीं करें। हर एक व्यक्ति का अहिंसावादन मुस्कुरा कर करें।

खुद हँसे और दूसरों को भी हँसाये। लापरवाही को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाये। अपने चेहरे को प्रफुल्लित और सोम्य बनाये रखें। खुद जियें और अन्य को भी सुखमय जीवन जीने दें। अपनी असफलताओं के लिये दूसरों को दोष नहीं दें। जब कभी कोई आपका काम करे या आपकी मदद करे तो उन्हें धन्यवाद जरूर दें। अमावस्या की काली रात के बाद पूर्णिमा की शीतल चांदनी आती है उसी तरह जीवन में दुःख के बाद सुख अवश्य आता है। वास्तव में तकलीफ और दुःख के समय में ही हमको अपने हितेषी और सच्चे दोस्त की पहचान होती है तथा हमें आत्मचिंतन का भी मौका मिलता है।

- डा. जे.के.गर्ग
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

बेटे से मिलने की चाह में एएसपी से मिली महिला

भरतपुर, (निर्स)। पिछले डेढ़ साल से दर दर भटक रही हैं एक मां अपने बेटे भूपेंद्र की तलाश के लिए थाने से लेकर अधिकारियों की चौखट तक गृहार लगा चुकी है। लेकिन अभी तक इस महिला की सुनवाई नहीं हो सकी है। न्याय की आस में ये महिला आज पुलिस अधीक्षक से मिलने के लिए आज एसपी ऑफिस पहुंची।

पीड़ित महिला मुखलेश पत्नी बने सिंह निवासी कुरवावा, तहसील कुम्हेर, जाति जाट अपनी ओखों में आंसू लिए बेटे के दीदार की चाह के साथ अपने हाथों में फरियाद लिए भरतपुर एसपी देवेन्द्र कुमार विश्वास के यहां जा पहुंची जहां उसने अपने बेटे के ढूंढने की गृहार लगाई। मुखलेश ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय वंदिता



पीड़ित महिला मुखलेश

राणा से मिलकर अपनी आपबीती सुनाई। मुखलेश ने बताया कि जरिए इस्तरासे कुम्हेर थाने में मामला दर्ज कराया था। गुमशुदा बेटे भूपेंद्र की

तलाश के लिए कुम्हेर पुलिस ने भूपेंद्र के मोबाइल को बरामद कर तो लिया लेकिन अभी तक भूपेंद्र की तलाश नहीं कर पाई है। महिला का कहना है कि भूपेंद्र की तलाश के लिए पुलिस लापरवाही बरत रही है। उसकी सही तरह से अनुसन्धान नहीं कर रही है।

महिला मुखलेश का कहना है कि डेढ़ साल पहले भूपेंद्र गुजरात की एक कंपनी में काम करता था। गुजरात से वह काम छोड़कर अपने गांव में आ गया और वहां रहने लगा। बाद में गुजरात के ठेकेदार सतीश और सलामत भूपेंद्र के गांव आ पहुंचे और भूपेंद्र को दोनों ठेकेदारों ने अपनी गाड़ी में बैठाकर ले गए। जब से अभी तक भूपेंद्र का पता नहीं चला है।

'चिरंजीवी हाइटैक एम्बूलेंस 7 दिन बाद पहुंची भीण्डर'

भीण्डर, (निर्स)। राज्य सरकार ने प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक पर चिरंजीवी 108 एम्बूलेंस भेजी हैं, जिसमें सामान्य 108 एम्बूलेंस से हाईटेक सुविधा उपलब्ध है।

ऐसी ही एक एम्बूलेंस शुक्रवार को भीण्डर के स्व. गुलाबसिंह शक्तावत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंच गई। हालांकि इस एम्बूलेंस को 21 दिसम्बर के दिन प्रभारी मंत्री रामलाल जाट, वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। लेकिन 7 दिन गुजर जाने के बाद भी नहीं पहुंचने पर भीण्डर पालिकाध्यक्ष निर्मला भोजावत के निरीक्षण के दौरान मामला सामने आने पर 30 दिसम्बर अंक में उदयपुर से रवाना हुई एम्बूलेंस 7 दिन बाद भी नहीं पहुंची। नई एम्बूलेंस नहीं पहुंचने पर पालिकाध्यक्ष निर्मला भोजावत ने चूटकी लेते हुए कहा था कि उदयपुर से रवाना हुई एम्बूलेंस 7 दिन बाद भी भीण्डर नहीं पहुंची। इस पर डॉ. राजीव आमेटा ने कागजी कार्यवाही की वजह से नहीं आने का कारण बताया।

पालिकाध्यक्ष निर्मला भोजावत के चूटकी लेते व समाचार प्रकाशित होने पर आनन-फानन में कागजी कार्यवाही पूर्ण करते हुए 31 दिसम्बर की सुबह नई हाईटेक एम्बूलेंस भीण्डर पहुंचा दी। राज्य सरकार की चिरंजीवी 108 एम्बूलेंस में हाईटेक सुविधा उपलब्ध

- पालिका अध्यक्ष के चुटकी लेने व समाचार लगने के बाद 31 दिसम्बर को पहुंची हाईटेक एम्बूलेंस
- भीण्डर चिकित्सा प्रशासन ने आनन-फानन में कागजी कार्यवाही पूरी की

करवाई गई है, जिसमें वेंटिलेटर व आईसीयू की सुविधा उपलब्ध है। इसमें मरीज की प्लस, ऑक्सीलन लेवल, शुगर, ब्लड प्रेशर आदि देखने के लिए मॉनिटर लगा हुआ है। वहीं डिफिब्रिलेशन मशीन भी लगी हुई है, जिससे कार्डियक अरेस्ट के उपचार में सबसे प्रभावी तरीके के रूप में उपयोग कर सकते हैं। जिसमें हार्ट को इलेक्ट्रिक शॉक दिया जाता है। आईसीडी का आमतौर पर उपयोग डिफिब्रिलेट और हार्ट को सामान्य रिदम में लाने के लिए किया जाता है। इसके अलावा एक छोटा फ्रीजर की सुविधा भी उपलब्ध है।

घंटाघर की दीवारों पर पोस्टर व बैनर लगाकर बिगाड़ रहे सुंदरता



पावटा का वर्षों पुराना ऐतिहासिक घंटाघर जहां लोगों ने पोस्टर लगा रखें हैं।

पावटा, (निर्स)। उपखंड पावटा की वर्षों पुरानी प्राचीन घरोहर घंटाघर की सुंदरता को जगह-जगह लगाए जा रहे पोस्टर व स्टीकर खराब कर रहे हैं। इस घरोहर घंटाघर को लोगों ने अपने प्रचार-प्रसार का जरिया बना रखा है।

जिम्मेदार नगरपालिका के अधिकारियों के रूचि नहीं लेने से घंटाघर के चारों तरफ अधिकांश दीवारों पर पोस्टर-स्टीकर और वॉल पेंट देखने को मिलेंगे। हाल यह है कि घंटाघर की दीवारों से बीते सालों पहले चुनावी प्रचार के लिए लगाए गए पोस्टर

- पावटा के घंटाघर को लोगों ने प्रचार-प्रसार का जरिया बनाया

तक नहीं उतारे गए हैं। दरअसल प्रशासन इसे लेकर गंभीर नहीं है, साथ नगरपालिका अधिकारी भी इसे जानबूझकर अनदेखा कर रहे हैं। समय रहते इन्हें रोका गया तो आने वाले

दिनों में घंटाघर सहित सरकारी भवनों और सार्वजनिक जगहों पर बैनर पोस्टर की अधिकता से दीवारें पट जाएंगी।

नगर पालिका को इस तरह के बैनर पोस्टर लगाने वालों के लिए सभी सार्वजनिक जगहों पर एक जगह निर्धारित कर देनी चाहिए। इसमें पोस्टर लगाने वालों से सालाना राजस्व भी वसूल करना चाहिए। ऐसा करने से लोगों को एक निर्धारित जगह मिल जाएगी और घंटाघर सहित सरकारी भवन और सार्वजनिक जगह पर दीवारों पर पोस्टर नहीं लगने से इनकी सुंदरता भी बनी रहेगी।

सीनियर फोटोग्राफरों का सम्मान किया



भरतपुर स्थित कोठी रोजविला में फोटोग्राफर्स एसोसिएशन द्वारा 35 सीनियर फोटोग्राफरों का सम्मान किया।

भरतपुर (निर्स)। भरतपुर फोटोग्राफर्स एसोसिएशन द्वारा सीनियर फोटोग्राफरों का सम्मान व समारोह रखा गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक शर्मा ने बताया कि कोठी रोजविला में एक सीनियर फोटोग्राफरों का सम्मान समारोह किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि जिला व्यापार महासभा के जिलाध्यक्ष संजीव गुप्ता थे। समारोह की अध्यक्षता जिला महामंत्री नरेन्द्र गोयल ने की।

जिला प्रवक्ता विपुल शर्मा, शहर अध्यक्ष भगवानदास बंसल व जिला मंत्री बंदू भाई वतौर अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। आये हुए अतिथियों द्वारा सीनियर फोटोग्राफरों जिन्होंने 1980 से पहले फोटोग्राफी का काम शुरू किया था उनका सम्मान किया गया। सम्मान पाने

- 1980 से पहले के फोटोग्राफर सम्मानित हुए

वाले कुल 35 फोटोग्राफर थे, जिनमें मुख्य रूप से नरेश मल्होत्रा, हरीकिशन शर्मा, नवीन शर्मा, शरद शर्मा, गोपाल आचार्य, चन्द्रप्रकाश शर्मा, सुरेश गर्ग, अनिल खंडेलवाल, नरेन्द्र ठाकुर, भारत शर्मा, ओमदत्त शर्मा, गोवर्धन सिंह, महेश मल्होत्रा, देवेन्द्र शर्मा, रिकू शर्मा, उदय सिंह, मोती, संदीप इत्यादि शामिल हुए। मंच संचालन सुरेश गर्ग ने किया। इस मौके पर जिले भर के काफी संख्या में फोटोग्राफर शामिल हुए।